तापमान
अधिकतम 32 .3 डिग्री
न्यूनतम 8 .6 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

11 कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की मनीषा व...

12 महिलाओं का सशक्तिकरण समाज की प्रगति और...

खबर संक्षेप

गीता भवन में ब्रह्म ज्ञान सत्संग आज से

हिसार। आध्यात्मिक गीता ज्ञान प्रचारिणी सभा एवं समस्त हरि शरणम-परिवार के तत्वाधान में 9 से 11 मार्च तक गीता भवन मंदिर, रामपुरा मोहल्ला में ब्रह्म ज्ञान सत्संग का आयोजन किया जाएगा। समस्त हरि शरणम परिवार के संयोजक सत्यनारायण शर्मा, एडवोकेट ने बताया कि 9 व 10 मार्च को सायं 4 से 6 बजे तथा 11 मार्च को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 तक सत्संग का आयोजन किया जाएगा। समापन पर प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्रह्म ज्ञान सत्संग में कथा व्यास हिमालय तपस्वी परमहंस गंगेनंदन महाराज रोजाना प्रवचन देंगे।

मोक्ष वृद्धाश्रम में होली संकीर्तन 11 को

हिसार। मोक्ष वृद्धाश्रम में 11 मार्च को होली संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। संकीर्तन के दौरान जहां विभिन्न देवी-देवताओं के भजन प्रस्तुत किए जाएंगे, वहीं होली के गीतों पर बुजुर्गों को थिरकने का भी अवसर मिलेगा। इस दौरान फूलों की होली भी खेली जाएगी। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि 11 मार्च को प्रातः 11 बजे होली संकीर्तन की शुरूआत होगी।

हांसीः उद्घघोषित आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

हांसी। विशेष अभियान के तहत पीओ स्टाफ हांसी पुलिस ने उद्घघोषित आरोपी बीड़ फार्म निवासी मनोज को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी को अदालत द्वारा चैक बाउंस के मामले में उद्घघोषित अपराधी करार दिया हुआ था। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आदमपुर में आज खाटू धाम जैसा नजारा होगा

मंडी आदमपुर। आदमपुर की श्री खाटू श्याम सालासर बालाजी सेवा समिति की ओर से रविवार 9 मार्च को निकाली जा रही आदमपुर से बीड़ बबरान धाम तक छठी भव्य विशाल निशान यात्रा की तैयारियां जोरों पर है। इस दिन आदमपुर में फाल्गुन पर खाटूधाम जैसा नजारा देखने को मिलेगा। निशान यात्रा को लेकर श्याम प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। हर कोई श्याम के रंग में रंगने के लिए तैयार है। आयोजन समिति के अध्यक्ष अमित अग्रवाल व मुकेश गोयल ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी भक्तों में यात्रा के प्रति उत्साह है। निशान यात्रा के लिए 200 ने पंजीकरण करवा लिया है जो जारी है।

होली के रंग-कवियों के संग कार्यक्रम 12 को

मंडी आदमपुर। वनवासी कल्याण आश्रम हरियाणा की शाखा मंडी आदमपुर के सान्निध्य में वनवासी बंधुओं के सहायतार्थ होली के रंग-कवियों के संग कार्यक्रम 12 मार्च को आयोजित किया जाएगा। शाखा अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा व डॉ. राकेश शर्मा ने बताया कि 12 मार्च को शाम सात बजे से गांव मोडाखेड़ा के मेन चौक में होने वाले कवि सम्मेलन में कवि राजेश चेतन, योगेंद्र शर्मा, गौरी मिश्रा, जगबीर राठी व केसर मारवाड़ी प्रस्तति देंगे।

हेरोइन के सप्लायर को किया जांच में शामिल

हांसी। एएनसी स्टाफ पुलिस ने 50 ग्राम हेरोइन करने वाले सप्लायर पीरांवाली निवासी गुरदीप को हेरोइन सप्लाई करने के मामले में शामिल जांच किया गया है। जांच में शामिल किए गए आरोपी ने दिसंबर 2024 में पीरांवाली निवासी कुलबीर को 50 ग्राम हेरोइन सप्लाई की थी। एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस ने हिसार सैशन कोर्ट के आदेशानुसार आरोपी को अभियोग में शामिल जांच करने के उपरांत कानूनी कार्रवाई से फारिक किया गया।

इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टिवल में हांसी की बेटी वसुंधरा ने जीता रजत

हांसी। इंटर यूनिवर्सिटी वाद विवाद प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता वसुंधरा गोयल को सम्मानित करते आयोजन समिति सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

- नेशनल यूथ फेस्टिवल का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में किया गया

हांसी की बेटी वसुंधरा गोयल ने एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में आयोजित 38वीं इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टिवल में डिबेट प्रतियोगिता में दिल्ली यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया।

वसुंधरा गोयल दिल्ली यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी ऑनर्स की छात्रा हैं। वसुंधरा देश के विभिन्न राज्यों के 23 विश्वविद्यालयों से विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने आए 2500 से अधिक विद्यार्थियों के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और रजत पदक हासिल कर अपने राज्य, शहर व अभिभावकों का नाम रोशन किया। नेशनल यूथ फेस्टिवल का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में किया गया।

बता दें कि वसुंधरा हांसी से आर्ट ऑफ लिविंग के सीनियर फैकल्टी संदीप गोयल की पुत्री हैं और वे आर्ट ऑफ लिविंग की भी सबसे कम उम्र की योग टीचर हैं। केवल 18 वर्ष की आयु में उन्होंने योग शिक्षक बनकर विशेष उपलब्धि हासिल की थी।

बिठमडा की बेटी और खो-खो विश्व कप विजेता मीनू बिठमडा को सम्मानित किया

- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ के कुलपति डॉ. टंकेश्वर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ उकलाना

उकलाना। मीनू को सम्मानित करते सेंट्रल यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ के कुलपति डॉ. टंकेश्वर।

गांव बिठमडा की बेटी खो-खो विश्व कप विजेता मीनू बिठमडा को सम्मानित किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सेंट्रल यूनिवर्सिटी महेंद्रगढ़ के स्पोर्ट डिपार्टमेंट की ओर से मीनू धतरवाल को स्पोर्ट्स के बच्चों से रूबरू करवाया गया। स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के हेड ऑफ़ द डिपार्टमेंट प्रोफेसर डॉ. जेपी भूकर व डॉ गजेंद्र नैन ने बच्चों को मीनू की तरह देश का नाम ऊंचा करने की प्रेरणा दी। इस मौके पर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. टंकेश्वर ने मीनू को विशेष भेंट देकर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय में डीसीएम स्कूल के संचालक संजय डीसीएम तथा मीनू धतरवाल को डॉ. रवींद्र पाल, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. स्वाति चौधरी, डॉ. कुमार पी ने मीनू को पौधा देकर सम्मानित किया।

द्रौपदी मुर्मु का 10 मार्च को कार्यक्रम, तैयारियां जोरों पर, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

राष्ट्रपति का काफिला जिस रास्ते से गुजरेगा अधिकारियों ने उन जगहों का किया निरीक्षण

डीसी अनीश यादव ने राष्ट्रपति मुर्मु के दौरे के मद्देनजर रहने वाली गतिविधियों के बारे में रिहर्सल करने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 10 मार्च को कार्यक्रम के मद्देनजर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। सुरक्षा की बात हो या फिर दूसरे प्रबंधों की, हर पहलू पर संबंधित नोडल अधिकारी बारीकी से नजर रखें। यह बात उपायुक्त अनीश यादव ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के पीस पैलेस के प्रांगण के अलावा हिसार एयरपोर्ट पर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान दोनों कार्यक्रमों की तैयारियों की हर पहलू पर चर्चा हुई। उपायुक्त अनीश यादव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दौरे के मद्देनजर रहने वाली गतिविधियों के बारे में रिहर्सल करने के भी निर्देश दिए।

हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन को लेकर तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण करते प्रशासनिक अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

इन अधिकारियों ने देखी पूरी व्यवस्था

- पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने समारोह स्थल पर कानून व्यवस्था बनाए रखने दिए निर्देश

निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा संबंधी मामलों के लिए लगाए गए सहायक निदेशक रवि सेठी, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, हांसी पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक दीपक, अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा, एसीयूटी कनिका गोयल सहित तमाम विभागों के अधिकारियों ने भी हर पहलू पर चर्चा की।

पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की तैनाती की

प्रशासनिक अधिकारियों का काफिला राष्ट्रपति के रूट से होकर भी गुजरा तथा अलग-अलग पहलुओं का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि समारोह स्थल पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्धारित स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की तैनाती की है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था पैदा न हो।

परीक्षार्थियों से समय रहते परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने की अपील की

हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 10 मार्च को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। उनके कार्यक्रमों को देखते उपायुक्त अनीश ने जिले में बोर्ड की परीक्षा दे रहे सभी विद्यार्थियों को सचेत किया है कि राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए कई मार्गों पर यातायात प्रभावित रहेगा। परीक्षार्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला शिक्षा अधिकारी प्रदीप नरवाल ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कई प्रमुख मार्ग पर यातायात प्रभावित हो सकता है। ऐसे में परीक्षा केंद्र पर पहुंचने में होने वाली देरी से बचने के लिए परीक्षार्थी 10:30 बजे तक अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच जाएं। उन्होंने खासतौर पर इस संबंध में आर्य नगर-1 राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हिसार-8 राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुशीला भवन के पास, हिसार-17 महाराजा अग्रसेन पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल अनाज मंडी, हिसार-26 (बी-2) पीजीएसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल पड़ाव चौक, हिसार-55 वाणी एवं श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए कल्याण केंद्र, हिसार-3 (बी-1) सीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नजदीक डीएन कॉलेज, हिसार-14 (बी-1) गुरु नानक सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऋषि नगर, हिसार-18 (बी-1) जेएन आर्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बस स्टैंड, हिसार-38 (बी-2) श्री देवी भवन हाई स्कूल देवी भवन मंदिर के परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए खास आह्वान किया है।

निर्दोषों से पूछताछ कर रही पुलिस

नाराज क्षेत्रवासी पहुंचे थाने, दी विरोध प्रदर्शन की चेतावनी

बरवाला। पुलिस कार्रवाई से रोषित पुलिस थाना पहुंचे क्षेत्रवासी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

- झोटा चोरी की घटनाओं पर ठोस कार्रवाई नहीं हो रही

क्षेत्र के गांव पनिहारी में झोटा चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष है और क्षेत्रवासियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर रोष जताया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि झोटा चोरी की घटनाओं पर पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं कर रही।

पुलिस कार्रवाई से नाराज क्षेत्रवासी शनिवार को बरवाला पुलिस थाना पहुंचे और कहा कि पुलिस असली आरोपियों की जगह निर्दोष लोगों से पूछताछ कर रही है। उन्होंने चोरों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। गांव के लोगों ने बताया कि एक साल पहले भी यहां से झोटा चोरी हुआ था। उस मामले में भी आज तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही आरोपियों को नहीं पकड़ा गया तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया

थाने में पहुंचे लोगों ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

रेल की चपेट में आने से युवक की गई जान

- मृतक फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव का रहने वाला

हिसार। शहर के न्यू माल कॉलोनी निवासी लगभग 35 वर्षीय युवक की कैमरी रोड स्थित रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जीआरपी पुलिस अधिकारी मीना कुमारी का कहना है कि रेलवे लाइन पर शव मिलने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। यह अभी जांच का विषय है कि यह आत्महत्या का मामला है या दुर्घटना का। मृतक के पिता ने बताया कि वे मूल रूप से फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में न्यू माल कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अनिल नशे का आदी था और मजदूरी करता था। परिजनों ने शव की पहचान की। जीआरपी पुलिस ने बताया कि परिजनों के बयान पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हिसार के नागरिक अस्पताल भेज दिया गया है।

हिसार। मौके पर जांच करते रेलवे पुलिस अधिकारी।

दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की करें मदद : एसपी

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों संग की गोष्ठी

हांसी। पुलिस अधीक्षक हांसी हेमेंद्र कुमार मीणा ने पुलिस अधिकारियों के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर एसपी मीणा ने पुलिस उप अधीक्षकों, थाना व चौकी प्रभारियों, पीसीआर व ईआरवी को निर्देशित करते हुए कहा कि हम सब की जिम्मेदारी है कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को गोल्डन ऑवर्स के दौरान पायलेट योजना के तहत नजदीकी पैनल हॉस्पिटल में पहुंचाना सुनिश्चित करें। गोल्डन ऑवर्स के दौरान किसी भी व्यक्ति की जान को खतरे में न डालें। हादसे में घायल नागरिक आयुष्मान भारत योजना के पैनल के अस्पतालों में 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेश इलाज का हकदार है।

हांसी। गोष्ठी को संबोधित करते पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा। *फोटो : हरिभूमि*

चालान भरने के नियम सख्त

सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 के तहत मोटर वाहनों के उपयोग से होने वाली दुर्घटनाओं के पीड़ितों को नकद रहित उपचार प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू की है। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि चालक चालान की समयावधि के अंदर चालान जमा नहीं करवाता तो उस वाहन को नियंत्रण या हिरासत में लिया जाएगा। चालान भरने में देरी करने वाले चालकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब नियमों को और सख्त कर दिया गया है। मौके पुलिस उप अधीक्षक रविन्द्र सांगवान, थाना प्रबंधक, चौकी व अपराध यूनिट प्रभारी मौजूद रहे।

नोडल अधिकारी ने कर्मचारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

मतगणना केंद्रों के अन्दर पेन, घड़ी, मोबाइल फोन, अंगूठी या अन्य प्रतिबंधित वस्तु के साथ प्रवेश पर रहेगी पाबंदी: शालिनी

- नगर निगम हिसार तथा नगर पालिका नारनौंद में मतगणना के लिए ड्यूटी में लगाए गए कर्मचारियों को दिया मतगणना प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नगर निगम हिसार तथा नगर पालिका नारनौंद के निकाय चुनाव के संबंध में 12 मार्च को होने वाली मतगणना प्रक्रिया के दृष्टिगत शनिवार को लघु सचिवालय परिसर स्थित जिला सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण उन कर्मचारियों के लिए था, जिनकी मतगणना में ड्यूटी लगाई गई है। ट्रेनिंग प्रक्रिया की नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त निगमायुक्त शालिनी चेतल ने इस बीच कई पहलुओं पर कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रशिक्षण शिविर के दौरान चुनाव से संबंधित अधिकारीगण भी मौजूद थे। ट्रेनिंग प्रक्रिया की नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त निगमायुक्त शालिनी चेतल ने मतगणना में जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं, उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि सभी कर्मचारी अपना ड्यूटी पास लेकर सुबह 6 बजे मतगणना केंद्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें। बिना आई कार्ड के प्रवेश नहीं होगा, इसलिए सभी कर्मचारी ध्यानपूर्वक अपना ड्यूटी पास लेकर आएं।

हिसार। कर्मचारियों को मतगणना को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए अतिरिक्त निगमायुक्त शालिनी चेतल।

उन्होंने कहा कि मतगणना केन्द्रों के अन्दर पेन, घड़ी, मोबाइल फोन, अंगूठी या अन्य प्रतिबंधित वस्तु के साथ प्रवेश पर पाबंदी रहेगी। बेहतर होगा की कर्मचारी ऐसे चीजें साथ लाने से बचें। अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि काउंटिंग प्रक्रिया सुबह 8 बजे शुरू हो जाएगी। काउंटिंग प्रक्रिया पोस्टल बैलेट से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलेट को सबसे पहले वार्ड वाईज अलग-अलग करें और इसके बाद उनकी काउंटिंग शुरू करें। मतगणना के लिए ड्यूटी में लगाए गए सभी कर्मचारियों से कहा कि मतगणना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी आने पर तुरंत संबंधित रिटर्निंग अधिकारी को अवगत करवाएं। मतगणना के दिन टेबल संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा अलॉट की जाएगी, जिसमें मतगणना में ड्यूटी में लगे कर्मियों को पता लगेगा की किसको कौनसी टेबल अलॉट हुई है। प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनर वीरेंद्र ने मतगणना में ड्यूटी लगाए गए कर्मियों को पीपीटी के माध्यम से मतगणना में बरते जानी वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। मौके पर सहायक रिटर्निंग अधिकारी कीर्ति सिरोहीवाल भी मौजूद रहीं।

हिसार के सोहन ने 400 मीटर रेस में जीता सिल्वर

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में कार्यरत सोहन ने नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की 400 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल अर्जित किया है। मास्टर एथलैटिक्स फैडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा बैंगलोर में नैशनल मास्टर एथलैटिक्स चैम्पियनशिप करवाई जा रही है। हिसार जिले के पेटवाड़ निवासी सोहन सिंह ने हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए 400 मीटर दौड़ में 54 सैकेंड 44 माइक्रो सैकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता। सोहन सिंह बिजली विभाग में कनिष्ठ अभियंता के पद पर कार्यरत है। इस उपलब्धि पर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के चीफ अकाउंट ऑफिसर प्रदीप लोहान, सुनील ढिल्लों, एसडीओ मनदीप कुंडू, कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष जगमिंद्र पूनिया आदि ने सोहन बधाई प्रेषित की है।

हिसार। सोहन।

निवेश करने से पहले खुद से पूछें ये सवाल

सफल निवेशक बनने के लिए बचत के पैसों का सही जगह निवेश जरूरी

●

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन कहा जाता है

- पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा
- निवेश की रकम तय करते समय सावधान और वास्तविकतावादी बनें

निवेश मंत्रा
शंभू भद्र

सही जगह निवेश करना हर निवेशक का मकसद होता है। किसी भी तरह के निवेश के लिए बचत करना जरूरी है, लेकिन सिर्फ बचत के पैसे से आप अपनी सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पाएंगे। एक सफल निवेशक बनने के लिए, बचत के पैसों को सही जगह निवेश करना जरूरी होता है। एक प्रभावशाली निवेश रणनीति के लिए, अपने आपसे कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछना बहुत जरूरी है। किसी अन्य काम की तरह, आपको अपने आपसे पूछना चाहिए कि आप क्यों निवेश कर रहे हैं। आपको अपना मकसद साफ कर लेना चाहिए। क्या आप पैसे बनाने के लिए, रिटायरमेंट के लिए, कोई संपत्ति खरीदने के लिए, या कोई और काम करने के लिए निवेश कर रहे हैं? यह तय हो जाने के बाद आपको यह सोचना चाहिए कि आपको कितने समय के लिए निवेश करना है, कितना पैसा निवेश करना है, और निवेश करते समय पैसों के मामले में आपको किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने उद्देश्य की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद आपको इसके लिए एक अल्पकालिक, मध्यकालिक या दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

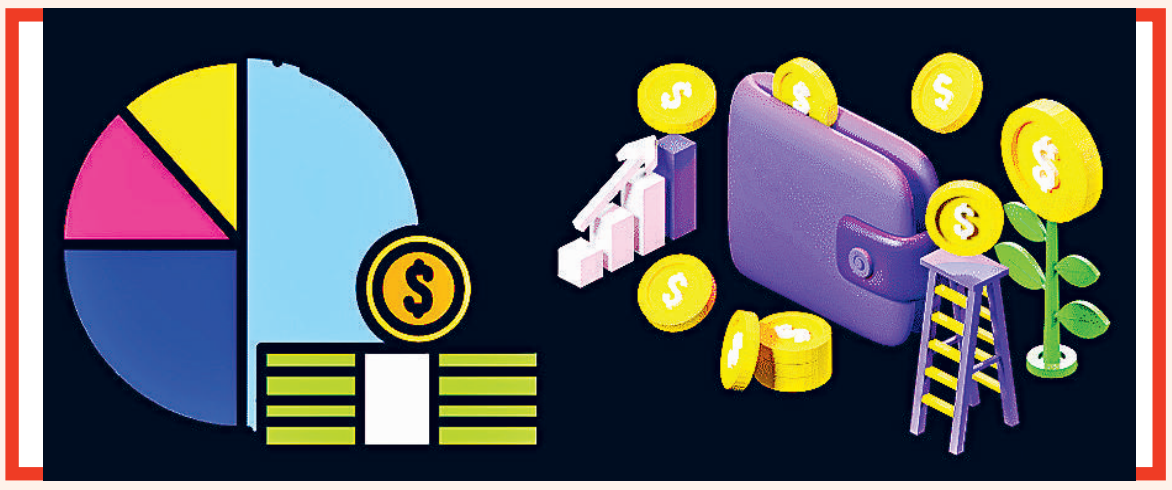

अवधि क्या है

निवेश के समय निर्धारण को इन्वेस्टमेंट होराइजन भी कहा जाता है। इससे निवेश की अवधि तय करने में मदद मिलेगी। इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको एक पूर्व-निर्धारित अवधि तक उसी हिसाब से निवेश करना होगा। समय-समय पर इस अवधि का मूल्यांकन करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसमें फेरबदल भी करना चाहिए। इसका मतलब यही है कि किसी भी निवेश की अवधि ऐसी होनी चाहिए कि आप अपने निर्धारित उद्देश्य के अनुसार उसका लाभ उठा सकें।

मासिक क्षमता कितनी है

आप अपने निवेश के लिए अपनी आमदनी में से कितना पैसा निकाल सकते हैं। आप इसे एकमुश्त भुगतान के रूप में एक बार में ही निवेश करना चाहते हैं या हर महीने थोड़ा-थोड़ा करके। निवेश की रकम तय करते समय आपको सावधान और वास्तविकतावादी होना चाहिए और अपने पैसों को धीरे-धीरे बढ़ने देना चाहिए। अपने संसाधनों के साथ-साथ अपनी निवेश क्षमता के बारे में सबसे ज्यादा जानकारी आपको ही होती है। एकमुश्त भुगतान, इक्विटी में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, फायदेमंद हो सकता है लेकिन हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करने से सहज तरीके से निवेश कर सकते हैं।

कौन से जोखिम उठाने पड़ेंगे

क्या आपको जोखिम उठाना पसंद है या आप उनसे बचना चाहते हैं। ये जोखिम कई तरह के हो सकते हैं - बाजार, मुद्रास्फीति, रिटर्न, गलत-बिक्री, ब्याज दर, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, इत्यादि। शायद ही कोई ऐसा निवेश हो जो कि जोखिम मुक्त हो। इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में बाजार सम्बन्धी जोखिम होता है जो बहुत कम समय में आपका सारा पैसा ख़त्म कर सकता है। एंडोमेंट इंश्योरेंस प्लान में रिटर्न सम्बन्धी जोखिम होता है जहां आपको प्रचलित मुद्रास्फीति दर की तुलना में कम रिटर्न मिल सकता है। डेट म्यूचुअल फंड्स, ब्याज दर में हलचल से प्रभावित हो जाते हैं। आपको इनमें से किसी में भी निवेश करने से पहले निवेश से जुड़े जोखिमों के बारे में अच्छी तरह जान लेना चाहिए।

क्या टैक्स की बचत होती है

आपको निवेश से टैक्स की बचत के बारे में पूछना चाहिए। अधिकांश निवेशों पर मिलने वाले रिटर्न पर अलग-अलग मानदंडों के आधार पर टैक्स लगता है। टैक्स देने के बाद आपको कितना रिटर्न मिलेगा। उदाहरण के लिए, फिक्स्ड डिपोजिट में आपको 7% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलता है, लेकिन यदि आप 30% टैक्स देते हैं तो टैक्स देने के बाद आपको 4.9% रिटर्न मिलेगा, जो कि बहुत कम है। आपको ऐसे निवेश साधनों पर विचार करना चाहिए जो आपके टैक्स के बोझ को कम कर सके। उदाहरण के लिए, दीर्घकालिक ऋण निवेश के लिए, पब्लिक प्रोविडेंट फंड आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि इसमें किया जाने वाला निवेश टैक्स-फ्री होता है। इक्विटी में किया जाने वाला निवेश जिसकी अवधि एक साल से अधिक होती है, दीर्घकालिक टैक्स लाभ की दृष्टि से फायदेमंद नहीं है। यदि आप धारा 80C के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं और बाजार से जुड़े रिटर्न पाना चाहते हैं तो आप इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) में निवेश कर सकते हैं क्योंकि यह भी टैक्स-फ्री रिटर्न देता है। निवेश जितना अधिक टैक्स बचानेवाला होगा, आप उतनी जल्दी अपना उद्देश्य पूरा कर पाएंगे।

किस तरह चार्ज देना होगा

एक निवेशक होने के नाते आपको यह जानने का पूरा हक है कि निवेश करने पर कितनी आमदनी होगी। कभी भी जल्दबाजी में निवेश करने की गलती न करें। क्योंकि तरह-तरह के निवेश में तरह-तरह के चार्ज लगते हैं। इसलिए, आपको पूछना चाहिए कि ये चार्ज क्यों लग रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि आपके निवेश की रकम का कितना हिस्सा इस तरह का चार्ज और कमिशन देने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, और इस तरह के खर्च के बाद आपको कुल कितना रिटर्न मिलेगा।

निवेश से कैसे बाहर निकलूं

निवेश करने का अंतिम फैसला लेने से पहले, आप पूछें कि इससे कैसे बाहर निकल सकते हैं। आपको कई कारणों से इस निवेश से बाहर निकलना पड़ सकता है। आपको कुछ समय के लिए पैसों की जरूरत पड़ सकती है, आप इस निवेश साधन से खुश नहीं हैं, आपको इससे बेहतर निवेश साधन मिल गया है, इत्यादि। आपको यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप इसे कब और कैसे छोड़ सकते हैं ताकि जरूरत के समय अफ़सोस न करना पड़े। निवेश साधन बेचने वाले व्यक्ति के मौखिक आश्वासन पर भरोसा करना काफी नहीं है। आपको लिखित में जानने का पूरा हक़ है।

निवेश से पहले एडवाइजर की मदद लें, फायदे में रहेंगे व बनेंगे धनवान

- स्टॉक मार्केट में निवेश करते वक्त सही स्टॉक एडवाइजर से सलाह लेना जरूरी
- स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मुनाफे के लिए सही कंपनी में निवेश करना बेहद जरूरी
- बैंकिंग व फाइनेंस कंपनियों में निवेश करें लॉन्ग टर्म निवेश से जबरदस्त मुनाफा

सलाह
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बताते हैं, जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो एक बात अपने दिल दिमाग में अच्छे से बैठा ले की स्टॉक मार्केट में आप रातों रात करोड़पति नहीं बन सकते हैं और ना ही आपको एक या 2 साल में ही बंपर मुनाफा होगा। बल्कि, अगर आपको सही मायने में स्टॉक मार्केट में खेलना है तो 8 से 10 साल थोड़ा तसल्ली के साथ सब्र करना पड़ेगा, नींव बनने में टाइम लगता है। अगर आपने 8 से 10 साल इंतजार कर लिया तो गारंटी है, उसके बाद आपको बंपर मुनाफा होगा जो आप सोच भी नहीं सकते।

अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो एक बात पल्ले बांध लें, फिर आपको मुनाफा कमाने से कोई नहीं रोक सकता। स्टॉक मार्केट ऐसा चीज है, जहां पर हर कोई इंवेस्टमेंट करके अच्छा खासा पैसा कमाना चाहता है। आजकल के युवा खासतौर पर स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर कई बार रातों रात करोड़पति बनने का भी सपना देख लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो स्टॉक मार्केट के जरिए अच्छा पैसा कमाकर आज अच्छी लाइफ जी रहे हैं। ऐसे में यह पता होना बहुत जरूरी होता है कि आपको किस स्टॉक में और कब पैसा लगाना है, क्योंकि, एक भी गलत कदम आपके सारे पैसे डूबा सकती है। बाजार के कुछ जाने माने म्युचुअल फंड व स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट और एडवाइजरों काकहना है कि अगर आपको स्टॉक मार्केट में इन्वेस्ट करना है, तो सबसे पहला काम आपको एक अच्छा स्टॉक एडवाइजर की जरूरत है। यूं ही अपने मन से आंकड़ों को देखकर कभी भी स्टॉक मार्केट में पैसा ना लगाए। ऐसा करने से कई बार नुकसान हो सकता है। निवेश करने से पहले एक बार एडवाइजर की मदद जरूर लें, उनसे सलाह मशवरा के बाद ही पैसा इन्वेस्ट करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे। हमेशा लंबी अवधी के निवेश का प्लान करें।

यह रखें ध्यान

जानकारों ने बताया कि जो फंडामेंटल कंपनी होती है, जैसे कि बैंकिंग कंपनी और फाइनेंस कंपनी इनमें आप पैसा आंख बंद करके लगा सकते हैं। उनके जो टॉप फाइव या टॉप 10 कंपनी है। उसको आप देख लें और उसमें पैसा लगाए और एक बात का ध्यान रखें। पैसा लगाने के बाद रातों-रात करोड़पति बनने का सपना छोड़ दें। क्योंकि, यहां पर अगर आप सही मायने में मुनाफा कमाना चाहते हैं, तो 8 से 10 साल इंतजार करना पड़ता है, तब आपको स्ट्रांग रिटर्न देखने को मिलेगा। ऐसा करनेद से आपको धनवान बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा और आप आसानी से स्टॉक मार्केट में निवेश कर पैसा कमाएंगे और अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे।

मार्केट में फिलहाल बढ़ा है दबाव

बाजार के जानकारों का कहना है कि इस समय मार्केट थोड़ा सा डाउन चल रहा है, लेकिन अब यह केरेक्शन फेज में आ चुका है और धीरे-धीरे आगे की तरफ जाएगा, क्योंकि, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से मार्केट में दबाव देखने को मिला है। इसके अलावा अमेरिका इन्वेस्टर जो है। अब उनको अच्छा खासा रिटर्न अमेरिका में ही मिलने की उम्मीद है। ऐसे में वह भारतीय मार्केट से भी कुछ पैसे वापस लेंगे। हालांकि, सारे नहीं लेंगे, तो ऐसे में मार्केट में दबाव थोड़ा बढ़ गया है, लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। साथ ही, मार्केट का काम ही है ऊपर नीचे होना, कोई ना कोई पॉलिसी मार्केट को ऊपर ले जाता है तो कभी नीचे। इससे बहुत अधिक घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसा नहीं की मार्केट फिलहाल एकदम दबाव में है धीरे-धीरे ऊपर की तरफ जा रहा है। ऐसे में जो कंपनी के नाम बताया है उसमें अगर आप इन्वेस्ट करते हैं तो आपको लॉन्ग टर्म में जबरदस्त मुनाफा देखने को मिलेगा, क्योंकि इन कंपनी का फंडामेंटल्स बहुत मजबूत है।

रातों-रात नहीं, करना होगा इंतजार

क्या है शेयर बाजार

शेयर बाजार एक केंद्रीकृत मंच है जहां सभी खरीदार और विक्रेता विभिन्न कंपनियों के शेयरों में व्यापार करने के लिए जमा होते हैं। व्यापारी भौतिक शेयर बाजार पर ऑफ़लाइन व्यापार कर सकते हैं या एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने ट्रेडों को ऑनलाइन रख सकते हैं। यदि आप ऑफ़लाइन व्यापार कर रहे हैं, तो आपको अपने ट्रेडों को पंजीकृत ब्रोकर के माध्यम से रखना होगा। एक शेयर बाजार को 'स्टॉकमार्केट' भी कहा जाता है। दोनों टर्मज़ को एक दूसरे के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में दो शेयर बाजार हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज। केवल सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनियों यानी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) आयोजित करने वाली कंपनियों के पास ऐसे शेयर हैं जिनका कारोबार किया जा सकता है।

फाइनेंशियल प्लानिंग में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं तभी तो कहलाती हैं 'गृहलक्ष्मी'

- महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम, देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसले लेती हैं
- भारत में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60% से अधिक है, 56 महिलाएं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं

बचत
विनोद कौशिक

घर के साथ-साथ बच्चों, पैसों व फाइनेंशियल प्लानिंग के मामले में महिलाओं का कोई 'सानी' नहीं है, तभी तो उन्हें 'गृहलक्ष्मी' यानी घर की देवी भी कहा जाता है। वे जितना ध्यान बच्चों को संवारने में लगाती हैं उतना ही पैसा बढ़ाने में लगाती हैं। वे घर के खर्चों से भी कुछ न कुछ बचाकर रखती हैं और जरूरत पड़ने पर घर में आई आर्थिक विपदा को भी हर लेती हैं। इसलिए महिलाए पुरुषों से अधिक समझदार निवेशक हैं। अगर वे बचत को सही जगह निवेश कर दें तो पुरुषों के मुकाबले कहीं जल्दी पैसों को दोगुना करने की क्षमता रखती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक का दर्जा दिया है। आजकल महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। महिलाएं अब घर-परिवार और बच्चे के लिए यहां तक की अपने रिटायरमेंट की भी प्लानिंग कर रही हैं। वे पैसा बचाकर गोल्ड, एफडी, शेयर बाजार और म्युचुअल फंड जैसे कई विकल्पों में निवेश कर रही है। इस रिपोर्ट के जरिये हम जानेंगे कि महिलाएं बेहतर निवेशक क्यों हैं और वे कैसे अपने फंड और पोर्टफोलियो को मैनेज कर सकती हैं। घर संभालने के साथ साथ परिवार को आर्थिक संकट से कैसे बचाती हैं।

वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम

एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं वित्तीय मामलों का बेहतर फैसला लेने में सक्षम होती हैं। देश में लगभग 69 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो घरों की वित्तीय स्थिति से जुड़े फैसला लेती हैं। निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी है। लगभग 56 महिलाओं का कहना है कि वे भविष्य की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर लक्ष्य बनाती हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए निवेश करती हैं।

रिटायरमेंट की प्लानिंग में भी पीछे नहीं

अधिकतर महिलाओं का कहना है कि वे इमरजेंसी की हालत से निपटने के लिए भी अलग से बचत करती हैं, ताकि जरूरत के समय उन्हें परेशान नहीं होना पड़े। इसके साथ ही रिटायर होने के बाद का समय अच्छे से बीते इसके लिए भी महिलाएं निवेश कर रही है। लगभग 83 फीसदी महिलाओं का कहना है कि रिटायर होने के बाद वे अच्छे से जीवन जीना चाहती हैं, इसलिए इसके लिए अलग से बचत कर रही हैं।

विशेषज्ञों से सलाह

महिलाएं निवेश करने से पहले विशेषज्ञों से सलाह लेना बेहतर मानती हैं। पांच में से तीन महिलाएं ऐसा करती हैं। उनका कहना है कि वित्तीय निवेशकों की बात माननी चाहिए, ताकि उनका निवेश का फैसला गलत साबित नहीं हो। इसमें वे विशेषज्ञों को अपने वित्तीय लक्ष्य और जरूरतों के बारे में अच्छे से बताकर सही जगह निवेश करती हैं। इससे वे आसानी से अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकती हैं। इसलिए महिलाओं को बेहतर निवेशक माना गया है। वे परिवार को लेकर भी चिंतित रहती हैं।

जमकर कर रही निवेश

कहते हैं महिलाएं घर, बच्चे और अपने काम सभी की जिम्मेदारी अच्छे से निभा लेती हैं। अपने परिवार और बच्चों के भविष्य की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए भी महिलाएं निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में सामने आया है की लगभग 37 फीसदी महिलाएं बच्चों के साथ अपने घर के बुजुर्गों के लिए भी निवेश कर रही हैं। अपने परिवार के सदस्यों पर वे बिना संकोच के खर्च करती हैं।

ये निवेश का पसंदीदा विकल्प

महिलाएं सबसे ज्यादा म्युच्युअल फंड, गोल्ड और एफडी में निवेश करती हैं। बैंक बाजार द्वारा किए गए एक सर्वे में यह सामने आया कि म्युच्युअल फंड में निवेश करने में महिलाएं पुरुषों से आगे हैं। देश के 6 मेट्रो शहरों की महिलाओं पर किए गए सर्वे में यह सामने आया कि महिलाएं न निवेश कर रही है, बल्कि खुद का बीमा कराने में भी पीछे नहीं है।

सोने में निवेश

महिलाओं के निवेश करने के लिए सोना पहले से ही चला आ रहा है। पुराने जमाने में महिलाएं सोने में ही निवेश करती है। वहीं आज के समय में भी सोने में निवेश करना काफी समझदारी वाली बात है क्योंकि सोने की कीमत कभी घटती नहीं हैं। साल दर साल सोने के दाम बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में सोने में महिलाओं को निवेश जरूर करना चाहिए।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

बेहतर रिटर्न पाने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करना सबसे बेस्ट ऑप्शन होता है। महिलाएं केवल हर महीने 500 रुपये से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश शुरू कर सकती है। अगर महिलाएं हर महीने नियमित रूप से म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करती हैं, तो कुछ ही सालों में महिलाएं काफी ज्यादा फंड इकट्ठा कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत योजना

अगर किसी महिला के पास इकट्ठा पैसा है, तो वह सरकारी महिला सम्मान बचत योजना में भी निवेश कर सकती है। सरकारी द्वारा चलाई जा रही महिला सम्मान बचत योजना में आप 2 साल के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकती है। इस योजना में आपको 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का लाभ मिलेगा।

एलआईसी और एफडी जैसे ऑप्शन भी हैं बेस्ट

एलआईसी द्वारा महिलाओं के लिए कई तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं।महिलाएं इन योजना में निवेश करके भी अपना भविष्य सुरक्षित कर सकती हैं। इसके अलावा बैंक एफडी बेहतरीन निवेश का विकल्प है।

टॉप निवेश प्लान जो कुछ सालों में आपको दे सकते हैं अच्छा रिटर्न

- हमेशा धैर्य और संयम के साथ करते जाएं निवेश
- निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या ऐसा प्लान बना रहे हैं तो कुछ नियम आपको अच्छी कमाई करवा सकते हैं। सिर्फ आपको लंबी अवधि के लिए संयम और धैर्य के साथ निवेश करना होगा। निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता को भी जांच लें। इससे आप बेहतर तरीके से निवेश कर पाएंगे। निवेशकों के पास अल्पकालिक वित्तीय लक्ष्य होते हैं। इसका विस्तार नई संपत्ति खरीदने से लेकर नया बिजनेस शुरू करने तक हो सकता है। वित्तीय लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए आपको निवेश को थोड़ा लंबी अवधि के लिए करना होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं निवेश के कुछ ऐसे ही विकल्प जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकने मे सक्षम हैं और आपके वित्तीय लक्ष्य को पूरा कर सकते हैं।

डायरेक्ट इक्विटी

अगर आपको फाइनेंशियल मार्केट की अच्छी जानकारी है, तो सही रिटर्न पाने के लिए डायरेक्ट इक्विटी में निवेश करना एक बेहतरीन निवेश हो सकता है। आप वित्तीय और आर्थिक परेशानियों को दूर करने और सही चुनाव करने के लिए उनकी रणनीतियों का मूल्यांकन करने के लिए अलग-अलग उद्योगों और उनके कार्य मॉडल को समझकर पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड ऐसे निवेशकों की मदद करते हैं, जिनका एक सामान्य वित्तीय उद्देश्य होता है, ताकि वे ज़्यादा रिटर्न के लिए वित्तीय साधनों में निवेश कर सकें। इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एक पेशेवर द्वारा मैनेज किया जाता है और इसलिए इसे एक सुरक्षित निवेश साधन माना जाता है। आप स्टॉक, बॉन्ड या अन्य मनी मार्केट आधारित म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड को सेक्टर या मार्केट कैपिटलाइज़ेशन के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जा सकता है। कई तरह के म्यूचुअल फंड पांच सालों में रिटर्न पा सकते हैं, जैसे कि मल्टी-कैप, बैलेंस्ड एडवांटेज, मिड-कैप, शॉर्ट-ड्यूरेशन, गिल्ट आदि। अपने वित्तीय उद्देश्य का पता लगाएं और अपनी सामर्थ्य का विश्लेषण करें। फिर, मनचाहे रिटर्न पाने के लिए सबसे अच्छा म्यूचुअल फंड विकल्प का पता लगाने के लिए फंड की परफॉर्मेंस, खर्च का रेश्यो, और एंट्री और एग्जिट लोड का मूल्यांकन करें।

इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम

ईएलएसएस (इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम) एक सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान है जो म्यूचुअल फंड में आराम से और नियमित रूप से निवेश करने में मदद करता है, जैसे कि हर महीने पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान। यह सस्ता हो जाता है और पांच साल की पॉलिसी अवधि के दौरान निवेश पर रिटर्न देता है, बशर्ते आप सही चुनाव करें। मार्किट और आर्थिक उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए फ़ंड की विविधता अलग-अलग सेक्टरों में होनी चाहिए। ईएलएसएस में किए गए निवेश इनकम टैक्स अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत टैक्स कटौती के लिए भी पात्र होंगे।

यूलिप प्लान: यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) एक कॉम्प्रिहेंसिव लाइफ इंश्योरेंस प्लान है, जिसमें दोहरे फ़ायदे मिलते हैं. प्रीमियम का एक हिस्सा लाइफ कवर देता है, और दूसरा मेच्योरिटी होने पर बाज़ार से जुड़े रिटर्न के लिए वित्तीय सिक्योरिटीज़ में निवेश करने में मदद करता है। इसमें पांच साल का लॉक-इन पीरियड होता है और, लाइफ इंश्योरेंस प्लान में की गई सेविंग्स और भुगतान से मिलने वाले फ़ायदों पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की धारा 80सी और धारा 10 (10डी) के तहत टैक्स कटौती और छूट का फायदा मिलता है। लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर जोखिम कारकों के आधार पर फंड के कई विकल्प प्रदान करते हैं। इसलिए, जब आप यूलिप प्लान में निवेश करते हैं, तो आप जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर, निवेश के प्रकार, जैसे कि इक्विटी, डेब्ट या हाइब्रिड के बारे में फैसला कर सकते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान्स : अगर आप मंथली इनकम वाले निवेश प्लान की तलाश में हैं, जो 5 साल में रिटर्न दे सके, तो गारंटीड रिटर्न इंश्योरेंस प्लान एक उपयुक्त विकल्प है। यह मैच्योरिटी बेनिफ़िट के तौर पर लाइफ़ कवर और गारंटीड रिटर्न दे सकता है। चूंकि रिटर्न की गारंटी होती है, आप अपने पैसे के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जरूरी फ़ंड की सीमा और पॉलिसी अवधि के बारे में फ़ैसला कर सकते हैं। इंश्योरर रेगुलर इनकम, लम्पसम या दोनों विकल्पों के कॉम्बिनेशन के तौर पर भुगतान प्राप्त करने का विकल्प प्रदान करते हैं।

रियल एस्टेट: पांच सालों में रिटर्न पाने के लिए भारत में रियल एस्टेट लाभदायक निवेश विकल्प है। रियल एस्टेट निवेश से रेंटल इनकम या पूंजी में बढ़ोतरी के तौर पर रिटर्न मिल सकता है। यह मूल्य व किराये से होने वाली इनकम का निर्धारण करने वाला कारक है।

गोल्ड : ज्वेलरी के तौर पर गोल्ड खरीदने के अलावा उसे अपने पास रखने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि गोल्ड के सिक्के, पेपर गोल्ड, आदि। यह एक और मूल्यवान रिटर्न निवेश विकल्प है, जिस पर 5 सालों में रिटर्न मिल सकता है। आप एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स को भी खरीद सकते हैं और बेहतर रिटर्न के लिए उन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकते हैं। हालांकि मूलभूत संपत्ति के तौर पर गोल्ड के साथ इन स्टॉक्स को खरीदने और बेचने के लिए कुछ जानकारी की आवश्यकता होती है, लेकिन अगर आपको यह सही लगे तो लंबी अवधि में इसके मूल्य में वृद्धि हो सकती है।

खबर संक्षेप

हिसार। लुवास कुलपति डॉक्टर नरेश जिंदल को बुक्का देकर बधाई देते लुवास नॉन टीचिंग एसोसिएशन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

नवनियुक्त कुलपति डॉ. जिंदल को दी बधाई

हिसार। लुवास नॉन टीचिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने एसोसिएशन के प्रधान दयानंद सोनी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डॉ. नरेश जिंदल से मुलाकात कर उन्हें बुक्का भेंट कर पद ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दी। प्रधान दयानंद सोनी ने इस मौके पर कहा कि डॉक्टर नरेश जिंदल के लुवास का कुलपति बनने से सभी कर्मचारियों में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा तथा नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ उपप्रधान रविंद्र फौजी, उप प्रधान अमित गुर्जर, महासचिव संदीप कुंडू, सचिव कुलदीप सैनी, प्रचार सचिव शैलेंद्र गुर्जर, कैशियर सतीश कुमार, हरिओम शर्मा, प्रेम नैन, रामलाल, अमित शर्मा आदि उपस्थित रहे।

फुटबॉल चैंपियनशिप के जिला के ट्रायल 11 मार्च को

फतेहाबाद। हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा महिला खिलाडिय़ों की राज्य स्तरीय सीनियर फुटबॉल चैंपियनशिप 21 से 24 मार्च को मेहंदीपुर दाबोदा कलां, जिला झज्जर में किया जा रहा है। राज्यस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जिला स्तर पर 11 मार्च को दोपहर बाद 2 बजे राजकीय महाविद्यालय भूना के खेल मैदान में ट्रायल लिए जाएंगे। ट्रायल में भाग लेने वाले महिला खिलाडिय़ों को हरियाणा निवास प्रमाण पत्र व आधार कार्ड की प्रति लेकर आना होगा। ट्रायल में सफल रहे खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

राधा कृष्ण आश्रम में धूमधाम से मनाया जाएगा होली पर्व

रतिया। अरोड़ा कालोनी स्थित श्री राधा कृष्ण सेवा आश्रम में होली पर्व 13 मार्च को बड़े उल्लास के साथ मनाया जाएगा। आश्रम प्रवक्ता धर्मेंद्र गोस्वामी ने बताया कि यह कार्यक्रम आश्रम संचालक ब्रह्मचारी स्वामी श्यामसुंदर दास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है जिसमें होलिका दहन, लठमार होली, फूलों की होली, मिट्टी की होली के अतिरिक्त सत्संग कीर्तन के साथ-साथ श्री राधा कृष्ण की सुंदर-सुंदर झांकियां दिखाई जाएगी। बृजवासी स्वामी श्याम सुंदर महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित यह प्रोग्राम यादगार होगा। इस कार्यक्रम को मथुरा वृंदावन में मनाए जाने वाली होली पर्व की तर्ज पर मनाया जा रहा है। इस पर्व को लेकर स्वामी श्याम सुंदर दास ने कहा क्योंकि यह घमंड को चकनाचूर करने का पर्व है, इस कारण लोगों को भिन्न-भिन्न प्रवक्ता अहंकार को खत्म करने का संदेश देंगे।

दो युवक 74 ग्राम 133 हेरोइन सहित काबू

सिरसा। सीआईए पुलिस ने गश्त के दौरान नहर पुल सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र से दो युवकों को 74 ग्राम 133 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान नहर पुल सुरतिया रोड रोड़ी क्षेत्र की ओर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब नहर पुल के नजदीक पंहुची तो नहर पुल पर दो युवक खड़े दिखाई दिए। उक्त युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुड़कर तेज कदमों से चलकर दोनों युवकों को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में नियमानुसार तलाशी ली तो जगतार सिंह के कब्जा से 43 ग्राम 58 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई जबकि भीम सिंह की तलाशी लेने पर उसके कब्जा 31 ग्राम 75 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की मनीषा व मैकेनिकल का मनीष सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी आदमपुर

खास बातें

- राजकीय बहुतकनीकी में 39वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन
- सर्वश्रेष्ठ प्रथम खिलाड़ी को 5100 रुपये द्वितीय को 3100 रुपये व तृतीय को 2100 रुपये के इनाम से सम्मानित किया

राजकीय बहुतकनीकी आदमपुर में चल रही दो दिवसीय 39वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न हो गई। दो दिन चली इस प्रतियोगिता में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की मनीषा व मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग का मनीष सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। खेल मीडिया कोर्डिनेटर विभागाध्यक्ष राकेश शर्मा ने शनिवार को बताया कि खेल प्रभारी रमेश कुमार के नेतृत्व में मनीषा 800 मीटर व 400 मीटर दौड़, ऊंची कूद में प्रथम, शॉट पुट में तृतीय स्थान पर रहकर यह खिताब जीता। वहीं मनीष ने 100 मीटर, 200 मीटर, लंबी कूद, ट्रिपल जंप 400 मीटर व 800 मीटर दौड़ में प्रथम, डिस्कस थ्रो,शॉट पुट, ऊंची कूद व 1500 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान पर रहकर यह खिताब जीता। लड़कियों की कैटेगरी में अंकिता व निधि द्वितीय व दिव्या तृतीय सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही। लड़कों की कैटेगरी में नवीन कुमार द्वितीय व विजय सिंह तृतीय सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। मनीष व निधि ने संस्थान के सबसे तेज धावक का खिताब जीता। संस्थान की तरफ से प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत, खेल प्रभारी रमेश कुमार ने सर्वश्रेष्ठ प्रथम खिलाड़ी को 5100 रुपये द्वितीय को 3100 रुपये व तृतीय को 2100 रुपये के इनाम, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

विभागाध्यक्ष वेदपाल यादव, मनोज कुमार व विष्णु कुमार ने सभी प्रतियोगिताओं की शानदार कमेंट्री की। खेल प्रभारी ने सभी सहयोगियों व विशेष आमंत्रित रेफरी बुधराम व पवन कुमार का आभार व्यक्त किया।

मंडी आदमपुर। खेल प्रतियोगिता में जौहर दिखाते खिलाड़ी व विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्य डॉ. कुलबीर अहलावत व अन्य।

ये बने विजेता

महिला स्टाफ 200 मीटर दौड़ में कुमारी पूजा प्रथम, बिमला द्वितीय रीतू तृतीय स्थान पर रही। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में जयदीप प्रथम, आशीष द्वितीय मनमोहन सिंह तृतीय स्थान पर रहे।महिला स्टाफ की थ्रो बाल प्रतियोगिता में कुमारी पूजा प्रथम, बिमला द्वितीय व अंबिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत, खेल प्रभारी रमेश कुमार ने सर्वश्रेष्ठ प्रथम खिलाड़ी को 5100 रुपये द्वितीय को 3100 रुपये व तृतीय को 2100 रुपये के इनाम, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लोक अदालत के माध्यम से पाएं त्वरित और सुलभ न्याय : मित्तल

लोक अदालत में 17 हजार 280 केसों में से 16 हजार 311 का किया निपटारा

जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में लगी लोक अदालत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिसार द्वारा शनिवार को जिला कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में किया गया। लोक अदालत में लंबित 17 हजार 280 केसों में से 16 हजार 311 मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत में एमएसीटी के 68 केसों में से 54 केसों में 4 करोड़ 2 लाख 58 हजार 200 रुपये की राशि के क्लेम पास किए गए। बैंक रिकवरी के 920 केसों में से 880 में 1 करोड़ 71 लाख 11 हजार 55 रुपए की रिकवरी की गई। उन्होंने बताया कि पारिवारिक न्यायालय के 187 केसों में से 95 का निपटारा किया गया। इसी प्रकार समरी चालान के 8 हजार 713 केसों में से 8 हजार 707 में 1 करोड़ 49 लाख 49 हजार 80 रुपये की रिकवरी की गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल ने कहा कि लोक अदालत त्वरित, सुलभ और सस्ता न्याय दिलाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे अपने लंबित मामलों के निपटारे के लिए लोक अदालत का सहारा लें, क्योंकि यहां आपसी सहमति से विवादों का समाधान होता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। लोक अदालतों का उद्देश्य केवल मामलों का निपटारा करना नहीं है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास को भी मजबूत करना है। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता गगन सोनी, महावीर सिंह, गुरप्रीत कौर, सोनू रानी, अल्का, अमृत सागर और प्रीति रानी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अशोक कुमार ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं का आभार जताया।

हिसार। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान मामलों का निपटारा करते जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल।

मुआवजा मामलों का त्वरित निपटारा

इस मौके पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत एक महत्वपूर्ण मामले में टोकस गांव के सुभाष चंद्र की सडक़ दुर्घटना में मृत्यु के बाद, जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल ने उनकी पुत्री सुषमा को 1.5 लाख रुपये और परिवार को 17 लाख 80 हजार रुपये का मुआवजा दिलाने का आदेश दिया। यह फैसला उन लोगों के लिए एक मिसाल है, जो लोक अदालत के माध्यम से त्वरित न्याय प्राप्त करना चाहते हैं।

लोक अदालत के लिए गठित की गई थी 7 बेंच

मामलों का निपटारा करते न्यायिक अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए सात बेंच गठित की गईं, जिनमें विभिन्न न्यायिक अधिकारियों ने मामलों का निपटारा किया। बेंच संख्या एक पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल, दो पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत, तीन पर अतिरिक्त प्रधान जज पूनम सुनेजा, चार पर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मधुलिका, पांच पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी हर्षा शर्मा, बेंच संख्या छः पर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जसप्रीत कौर तथा बेंच संख्या सात पर (हांसी न्यायालय परिसर) एसडीजेएम विकास ने पारिवारिक विवादों का आपसी सहमति से निपटारा किया।

हांसी। विश्राम गृह में आयोजित मीटिंग में भाग लेते कांग्रेसी नेता

राहुल मक्कड़ के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

- कांग्रेसियों ने विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी रहे मक्कड़ के खिलाफ खोला मोर्चा

स्थानीय विश्राम गृह में शनिवार को हांसी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं की एक बैठक हरियाणा के पूर्व मंत्री सुभाष गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मीटिंग में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रहे राहुल मक्कड़ द्वारा सोशल मीडिया पर पार्टी नेताओं के खिलाफ की गई अनर्गल टिप्पणी को लेकर पार्टी हाईकमान से उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई। विधानसभा प्रत्याशी राहुल मक्कड़ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग को लेकर पार्टी नेताओं द्वारा मीटिंग में प्रस्ताव पारित कर केंद्रीय व प्रांतीय नेताओं को भेजा गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, हरपाल बूरा, योगेन्द्र योगी, सुमन शर्मा, मनोज राठी, नितेश शर्मा, कमलेश रंगा, सुमन भाटोल व जयभगवान भडाना आदि सहित कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसमें संगठन का न होना, पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी, विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी राहुल मक्कड द्वारा अब निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जयचन्द नाकाबिल सम्बोधित करके अपमानित करने जैसे शब्दों का प्रयोग करना, चुनाव से ठीक पहले पार्टी में शामिल होने वाले राहुल मक्कड़ को प्रत्याशी बनाया जाना, पार्टी, प्रत्याशी राहुल मक्कड़ का अहंकार पूर्ण रवैया जनता के बीच रहकर मेहनत न करते हुए ज्यादा समय घर पर व्यतीत करना आदि हार के मुख्य कारण बताए।

रोहित घणघस कॉलेज इकाई के प्रधान व निखिल राजली सचिव बने

- शराजकीय महाविद्यालय में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से यूनिट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

राजकीय महाविद्यालय में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की ओर से यूनिट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों पर चर्चा की। मुख्य वक्ता एसएफआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद गिल एवं हिसार शाखा सचिव सुखदेव बूरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एसएफआई हमेशा से छात्रों की आवाज़ को बुलंद करता आया है और आगे भी उनके हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करता रहेगा। इस अवसर पर 23 सदस्यीय इकाई कमेटी का गठन किया गया, जिसमें 9 सदस्यीय सचिव मंडल का चयन किया गया। नवगठित राजकीय महाविद्यालय की एसएफआई इकाई कमेटी का प्रधान रोहित घणघस व सचिव निखिल राजली को चुना गया। नवीन, पंकज व मोहित को सह सचिव, दक्ष, संजू व दीव उप प्रधान चुना गया। सचिव मंडल सदस्यों में साहिल, मनीष, दीप, सन्नी, अंकित, विकास, अंकित यादव, दीपक, नीशू, तनूज, आजाद, राहुल गाजूवाला, राहुल गंगवा, दीपक यादव, शुभम को कमेटी में शामिल किया गया।

हिसार। राजकीय महाविद्यालय में आयोजित यूनिट कॉन्फ्रेंस में उपस्थित एसएफआई से जुड़े छात्र। फोटो : हरिभूमि

विजेताओं को दिए पुरस्कार

मूडीज आर्मी टीम से ऋद्धि, सिद्धि, मृतिका और वंशिका रहे प्रथम

- श्री काली देवी विद्या मंदिर में किया गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर में शनिवार को ज्योति सदन द्वारा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए गणित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की गणितीय कुशलता, तार्किक सोच और सृजनात्मकता को बढ़ावा देना तथा उन्हें आगामी वार्षिक परीक्षाओं के लिए तैयार करना था। प्रतियोगिता में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए सबसे पहले स्क्रीनिंग टेस्ट का आयोजन किया गया, जिसके आधार पर चयनित विद्यार्थियों को पांच टीमों आर्यभट्ट एलायंस, रामानुजन रीडर्स, ब्रह्मगुप्त ब्रेनस्टॉर्मर्स, मूडीज आर्मी एवं कोरियन पाइरेट्स आदि में विभाजित किया गया। कई रोचक और चुनौतीपूर्ण चरणों के बाद मूडीज आर्मी टीम से ऋद्धि, सिद्धी, मृतिका और वंशिका ने प्रथम, आर्यभट्ट एलायंस टीम से आयुषी, नमन और हिमांशी ने द्वितीय तथा कोरियन पाइरेट्स टीम से अनुष्का और अक्षिता ने तृतीय स्थान हासिल किया।

हांसी। क्विज कॉम्पिटिशन के विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करती स्कूल प्राचार्या गीता मेहता व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

प्रशिक्षण हकृवि में मिनिस्ट्रियल स्टाफ के लिए प्रशिक्षण का शुभारंभ

किसी भी संगठन की सफलता उसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता पर निर्भर : प्रो. काम्बोज

- कर्मचारियों और सह-कर्मियों के प्रति बेहतर व्यवहार एवं कार्यकुशलता के लिए प्रशिक्षण जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि मिनिस्ट्रियल स्टाफ को समय प्रबंधन, कार्यालय के काम व कर्मचारियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तथा वरिष्ठ कर्मचारियों और सह-कर्मियों के प्रति बेहतर व्यवहार एवं कार्यकुशलता के लिए प्रशिक्षण जरूरी।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज शनिवार को विश्वविद्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की सफलता उसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता और कार्य कुशलता पर निर्भर करती है। प्रशिक्षण कर्मचारियों की कार्य कुशलता, नवीनतम तकनीक एवं नीतियों की जानकारी देने तथा कार्यस्थल पर उनकी सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए जरूरी है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण से न केवल व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिलेगा बल्कि विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली और अधिक बेहतर एवं प्रभावशाली होगी। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में पहली बार सुरक्षा कर्मचारियों की ट्रेनिंग के पश्चात मिनिस्ट्रियल स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के 452 मिनिस्ट्रियल स्टाफ को नौ बैच के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. रेणू मुंजाल ने ट्रेनिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. अनुराग ने सभी का धन्यवाद किया जबकि डॉ. योगेश जिंदल ने मंच संचालन किया।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागी।

चालान नहीं भरने पर पुलिस ने किए आठ वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

पुलिस उन वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है जो चालान कटने पर उसे लंबे समय तक नजर अंदाज करते है। हांसी पुलिस ने स्पेशल अभियान चलाते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने तथा समयावधि में चालान नहीं जमा करवाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 8 वाहनों को जब्त किया है।

पुलिस द्वारा इन वाहनों को सड़क पर यातायात नियमों की अवहेलना करने पर रुकवाया गया और यातायात नियमों की अवहेलना पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए इनका चालान किया गया। दस्तावेज जांचने पर पता चला कि इन वाहनों का पहले चालान हो चुका है और अब तक चालान राशि जमा नहीं करवाई गई है। जिसके चलते इन वाहनों जब्त कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अगर कोई वाहन चालक चालान की समयावधि के अंदर चालान जमा नहीं करवाता तो उस वाहन को पुलिस नियंत्रण में लिया जाएगा।

हांसी। यातायात नियमों की अवहेलना व चालान नहीं भरने पर जब्त किया गया वाहन।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता' एवं 'महिलाओं में स्तन कैंसर एवं सवाइकिल कैंसर के प्रति जागरूकता' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र के वक्ता आधार अस्पताल से डॉ. गीता डबास और दूसरे सत्र की वक्ता डॉ. वीनी नायक रही।

सर्वप्रथम महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका शायना ने शनिवार सुबह आयोजित इस कार्यक्रम में वक्ताओं का स्वागत किया। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह सांगा ने महिला दिवस पर सभी छात्राओं को बधाई दी।

हिसार से बीड़ बबरान धाम की निशान यात्रा आज

हिसार। प्रसिद्ध बीड़ बबरान धाम में चल रहे 52वें बबरान नरेश प्रकटोत्सव की धूम हर तरफ है। 9 मार्च को हिसार के अग्रसेन भवन से प्रातः 8.15 बजे भव्य निशान यात्रा शुरू की जाएगी। सैकड़ों श्रद्धालु 351 फुट लंबा निशान लेकर बीड़ बबरान धाम तक पैदल यात्रा करेंगे और धाम में पहुंचकर श्याम बाबा के चरणों में निशान को अर्पित करेंगे। निशान यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

राजकीय बहुतकनीकी में शिविर का शुभारंभ

हिसार। गुरु दक्ष राजकीय बहुतकनीकी में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ हुआ। पहले दिन प्लास्टिक मुक्त पहल के तहत स्वयंसेवकों ने संस्थान परिसर से प्लास्टिक कचरा हटाया और खेल मैदान की सफाई की। शिविर के दौरान स्वयंसेवक हिसार शहर के शिकारपुर गांव और मिल गेट के स्लम क्षेत्र में सफाई अभियान तथा अन्य सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम में 15 मार्च को होगा सत्संग

हिसार। श्रीश्री 1008 ब्रह्मलीन श्री ओमानंद महाराज का जन्मोत्सव 15 मार्च को ज्ञानदीप सेवार्थ आश्रम में भजन सत्संग कर मनाया जाएगा। आश्रम के गद्दीनशीन महंत राजेश्वरानंद महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु महाराज के जन्मोत्सव पर प्रातः 8 बजे विद्वान ब्राह्मणों द्वारा हवन-यज्ञ किया जाएगा। उसके बाद सत्संग प्रारंभ होगा। दोपहर 1 बजे से भंडारे का आयोजन रहेगा।

प्राइवेट स्कूल संघ शिक्षा बोर्ड सचिव से मिला

बरवाला। प्राइवेट स्कूल संघ हरियाणा के एक प्रतिनिधिमंडल ने संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू के नेतृत्व में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के नवनियुक्त सचिव डॉ मुनीष नागपाल का गर्मजोशी से स्वागत किया और मांगो का ज्ञापन भी सौंपा। संघ प्रतिनिधिमंडल ने बोर्ड कार्यालय पर नवनियुक्त सचिव का स्वागत करते हुए मिठाई खिलाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। पदाधिकारियों ने कहा कि दसवीं व बारहवीं कक्षा के बच्चों की बोर्ड टॉप टेन की सूची हर वर्ष जारी की जाती थी।

महाविद्यालय ने अपनी 28 होनहार बेटियों को सम्मानित किया

महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में होली के गीतों पर धमाल, जमकर थिरके

महाविद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

भिवानी रोहिल्ला स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज भिवानी रोहिल्ला में अतंरराष्ट्रीय महिला दिवस व होली महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर लोकनिर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मंत्री रणबीर गंगवा और विशिष्ट अतिथि के रूप दिल्ली से डॉ. आशा किरण और लुधियाना से डॉ. सुषमा गुप्ता उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परंपरा अनुसार दीप प्रज्वलित करके किया गया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ शमीम शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन समाज में महिलाओं की भूमिका, संघर्ष और सफलता को दर्शाता है। यह दिन महिलाओं की समानता, अधिकारों और उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान व महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा ने अतंरराष्ट्रीय महिला दिवस व होली की शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय द्वारा अपनी 28 होनहार बेटियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी मेहनत व काबिलियत द्वारा अपने कैरियर की ऊंचाईयों को छुआ हैं। महाविद्यालय छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिन्हें समारोह में समां बांध दिया। कार्यक्रम के बाद भी कॉलेज में छात्राएं देर तक गुलाल लगाती रही और नृत्य का आनंद लेते रहे। मौके पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, गांव भिवानी रोहिल्ला के सरपंच बलजीत सिंह, गांव बालसमंद की सरपंच मंजू देवी, स्कूल प्रबंधक डॉ. अजीज प्रधान, प्राचार्या डॉ. सरिता शर्मा, डॉ. वीके गुप्ता व टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ उपस्थित हुए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दंत जांच शिविर लगाया

हिसार। डॉ. सचिन मित्तल एडवांस्ड डेन्टिस्ट्री टीम ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दांतों का जांच शिविर लगाया जिसमें अनेक महिलाओं के दांतों की जांच कर उन्हें दांतों की बीमारियों से बचाव के उपाय बताए गए। टीम में शामिल डॉ. मुदिता बाहेती, डॉ. निशा अग्रवाल, डॉ. सोनम कुण्डू, डॉ. दीक्षा शर्मा, डॉ. शोभा बरार ने महिलाओं के दांतों को जांचा। डॉ. सचिन मित्तल ने जागरूक करते हुए कहा कि दांतों की समस्या को नजरअंदाज करने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए दांतों को स्वस्थ बनाए रखें और लोगों को स्वस्थता के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है।

समाज के संचालन में महिलाओं का अहम योगदान

हिसार। वर्तमान में भारत क्षेत्र में महिलाओं का योगदान सराहनीय है। समाज की प्रगति में महिलाओं का अहम योगदान है। आज की महिला हर कार्य को करने में सक्षम है। यह बात एसएसबी वर्कर यूनियन के प्रदेश सचिव प्रदीप लौरा ने महिला दिवस पर कही। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा भी यही कहती आई है कि जहां स्त्री का सम्मान होता है, वहां लक्ष्मी का वास होता है। आज जो काम पुरुषों के करने लायक है, वहां भी महिलाएं संभाल रही हैं।काम चाहे वह बिजली क्षेत्र हो, चाहे साधन चलाने की बात हो या खेती-बाड़ी का काम हो, महिलाएं हर जगह अपना योगदान दे रही हैं।

महिलाओं के काम की कद्र करें

- विभिन्न संगठनों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

सर्व कर्मचारी संघ, जनवादी महिला समिति, सीटू, जनवादी लेखक संघ, जनवादी नौजवान सभा, छात्र संगठन, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, किसान सभा, अध्यापक संघ व अन्य सामाजिक जन संगठनों द्वारा शनिवार को एचएयू के 4 नंबर गेट के सामने स्थित स्मृति पार्क में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस गरिमापूर्ण जीवन - महिलाओं की अधिकार के रूप में मनाया गया।

कार्यक्रम में मंच संचालन जनवादी महिला समिति की बबली लांबा ने किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास व महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता के रूप मे महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की रिटायर्ड प्रो. मनजीत राठी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि महिला रोजगार के साथ साथ घरों में सैकड़ों प्रकार के काम करती है जिसके काम की कोई गिनती नहीं है। महिलाओं के काम की कद्र होनी चाहिए व उनके काम का आंकलन हो। उन्होंने कहा कि यौन शोषण की घटनाओं में बढ़ोत्तरी होती जा रही है। महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षा मिलनी चाहिए।

समय पर जांच से कैंसर को मात

- अग्रोहा मेडिकल व मेदांता ने संयुक्त रूप से मनाया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण व कॉलेज विद्यार्थी। *फोटो: हरिभूमि*

मेदांता गुरुग्राम की कैंसर विशेषज्ञ डॉ सोरून शिशक ने महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्तन कैंसर के विषय पर जागरूक करते हुए कहा कि ब्रेस्ट कैंसर पूरे विश्व में महिलाओं के लिए एक बड़ी बीमारी बनकर उभर रहा है। यदि समय रहते इसका पता न लगाया जाए तो यह मृत्यु का कारण भी बनता है। इसलिए महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर पर जागरूक होकर इसके निदान व समाधान के लिए आगे आना चाहिए। जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज के टेक चंद सभागार में किया गया था। महाविद्यालय के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग व नर्सिंग कॉलेज ने संयुक्त रूप से महिला दिवस के विषय लैंगिक समानता-मजबूत नारी विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस दौरान महाविद्यालय निदेशक डॉ अलका छाबड़ा ने कहा कि भारत की महिलाएं सशक्त रूप से आगे बढ़ रही है और कॉलेज का महिलाओं को सलाम करता है।

लड़कियों को सशक्त बनाएं

- आरपीएस पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। आरपीएस स्कूल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में भाग लेती महिला स्टाफ सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 8 मार्च को महिलाओं के प्रति सम्मान और प्रशंसा प्रकट करते हुए विद्यालय में एक लघु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक डॉ. संदीप देसवाल ने स्कूल की महिला स्टाफ को पुष्प प्रदान कर सम्मानित किया और सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। डॉ. संदीप देसवाल ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम एक्सीलीरेट एक्शन में लैंगिक समानता प्राप्त करने, प्रगति की धीमी गति को संबोधित करने और दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है। विद्यालय प्रधानाचार्य अनुपम गोयल ने सभी को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति में महिलाओं के योगदान को याद करना और उनका मनोबल बढ़ाना इस दिवस का उद्देश्य है।

महिलाओं के सशक्तीकरण से समाज की प्रगति

- जिंदल स्टेनलेस ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं अतिथिगण। *फोटो: हरिभूमि*

जिंदल स्टेनलेस ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत जेएसएल के सीएसआर प्रोग्राम अस्मिता की औरतों द्वारा आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी से हुई, जिसमें उनके द्वारा बनाए गए विभिन्न शिल्पकृत वस्त्रों और कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया। इसके बाद, जेएसएल हिसार की महिला कर्मचारियों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न नृत्य, गीत और माइम अभिनय शामिल थे, जिन्होंने कर्मचारियों की ऊर्जा, कौशल और प्रतिभा को दर्शाया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जिंदल स्टेनलेस के यूनिट हेड विजय कुमार बिंदलिश ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल उनके अधिकारों की बात नहीं है, बल्कि यह समाज की प्रगति और समृद्धि का आधार है। जेएसएल में हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपने सपनों को हासिल करने के लिए समान अवसर प्राप्त करें।

यह रहे मौजूद

इस विशेष अवसर पर भीख नहीं-किताब दो संगठन की अन्नु चिनिया, हरी-भरी वसुंधा की सुनीता रहेजा, भाग्य श्री महिला आश्रम अध्यक्ष बाला वर्मा, मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक माता पंकज संधीर, जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रितु चोपड़ा, प्रियंका चाबरा, कुमकुम चौधरी और ओपीजेएमएस की प्रिंसिपल नंदिता साहू भी उपस्थित थीं।

हिसार। महिला दिवस पर गवर्नमेंट वूमेन कॉलेज में उपस्थित छात्राएं व शिक्षिका।

छात्राओं को सिखाई आत्मरक्षा की तकनीक

हिसार। नेहरू युवा केंद्र व सेल्फ डिफेंस सोसायटी के तत्वावधान में गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन में एनएसएस की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध कोच रोहतास कुमार ने छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की विभिन्न तकनीक सिखाई। उन्होंने इन तकनीक का अभ्यास करवाकर छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार भी किया। इस दौरान प्रिंसिपल डॉ. सतबीर सांगा, एनएसएस पीओ हिना पाहुजा व मधुबाला एवं सामाजिक कार्यकर्ता साधिका अरोड़ा व प्रीति सिंगला की विशेष रूप से उपस्थिति रही।

मैराथन दौड़ में दिखाया उत्साह

- मैराथन दौड़ में पोजिशन हासिल करने वालों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। सम्मानित करते एएसपी डॉ. राजेश मोहन। *फोटो: हरिभूमि*

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शहर में तीन किलोमीटर की मैराथन दौड़ आयोजित की गई। लेमन ट्री होटल एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा आयोजित इस बार की इस दौड़ की थीम 'शक्ति और समानता' रखी गई। इस दौड़ में पुरुषों के साथ विशेष रूप से हिसार बार की महिला वकीलों, शहर के डॉक्टरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के तहत शनिवार सुबह छह बजे शुरू हुई इस मैराथन दौड़ का यह आयोजन लेमन ट्री होटल, जिला बार एसोसिएशन और पॉश फिटनेस जिम के संयुक्त प्रयास से हुआ। इस मैराथन दौड़ को एएसपी राजेश मोहन, जिला बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट संदीप बूरा और एडवोकेट मोहित अरोड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दौड़ की शुरुआत लेमन ट्री होटल से हुई और यह आईजी चौक, एचएयू गेट नंबर चार से इंट्री कर गर्ल्स हॉस्टल से होते हुए वापस लेमन ट्री होटल आकर समाप्त हुई। इस दौड़ में पोजिशन हासिल करने वालों को एएसपी राजेश मोहन और बार एसोसिएशन प्रधान एडवोकेट संदीप बूरा के हाथों से सम्मानित भी किया गया।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण व छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

छात्राओं को कैंसर के बारे में किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

फतेहचन्द महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ इकाई, यूथ रेडक्रॉस एवं अमेरिकन ऑनकोलॉजी इंस्टीटयूट सर्वेश हैल्थ सिटी हिसार के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश कुमार जांदू एवं स्तन रोग विशेषज्ञ डॉ. सुजाता का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा इस तरह के व्याख्यानों से छात्राएं जागरूक होकर अपने परिवार, समाज एवं देश को कैंसर मुक्त कर सकती है। कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश जांदू ने छात्राओं को कैंसर के प्रकार, कारण एवं निवारण की महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस व्याख्यान से लगभग 300 छात्राएं लाभान्वित हुई।

विश्व महिला दिवस पर जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित

लोक कल्याण फाउंडेशन ने किया सम्मानित

- आईसीटीसी काउंसलर कविता मोर ने एड्स और यौन रोगों के बारे में विस्तार जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। कार्यक्रम में महिलाओं को शॉल भेंटकर सम्मानित करती आईसीटीसी काउंसलर कविता मोर व सुभाष दूहन।

लोक कल्याण फाउंडेशन हांसी के द्वारा टार्गेटेड इंटरवेंशन प्रोजेक्ट के तहत विश्व महिला दिवस के कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था जून 2024 से हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी पंचकूला के तत्वावधान में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम को चला रही है। विश्व महिला दिवस के अवसर पर संस्था के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में नागरिक अस्पताल में आईसीटीसी काउंसलर कविता मोर, इंचार्ज सुशील मोर, ओएसटी काउंसलर विजय मैहरा, प्रोफेसर वीरेंद्र बामल, एडवोकेट राज कुमार खर्ब, डॉ. सविता यादव, सुशील रंगा, परियोजना निदेशक सुभाष दुहन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान आईसीटीसी काउंसलर कविता मोर ने एचआईवी/एड्स और यौन रोगों के बारे में विस्तार जानकारी दी।

यह रहे मौजूद

इस अवसर सामाजिक क्षेत्र में योगदान या परिवार के पालन पोषण में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं को स्मृति चिन्ह व शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रबंधक सुनील सिरोही, मनदीप खर्ब, परवीन कुमारी, ज्योति देवी, मिनाक्षी रानी, मधु, निशा, मोहित, राखी व जोगिंद्र आदि सहित काफी संख्या में महिलाएं व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

एलडीएसडी पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

हांसी। एलडीएसडी पब्लिक स्कूल शाखा पीसीएसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर सुनीता गोयल ने मुख्यातिथि व आरजू सिंगला व रेनू गर्ग ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीसीएसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या उर्मिला शर्मा ने सभी को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यातिथि सुनीता गोयल ने नारी शक्ति के बारे में बताया कि किस तरह महिलाएं बहन, बेटी, पत्नी, मां और सास के रूप में अलग-अलग भूमिका निभाती हैं वहीं अलग-अलग क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त कर अपने माता-पिता व अपने देश का नाम रोशन करती हैं। एलडीएसडी विद्यालय की मुख्याध्यापिका मंजू रानी ने आए हुए अतिथिगणों का धन्यवाद किया ।

ओएसजीयू ने किया सम्मानित

हिसार। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल भी इस समारोह में शामिल रहे। उन्होंने सभी महिलाओं का सम्मानजनक स्वागत किया और महिला दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का आगाज़ गणेश वंदना और ज्योति प्रज्वलित करने के साथ हुआ। डॉ. पुनीत गोयल ने बताया कि हर वर्ष की तरह बार भी अंतराष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूमधाम से विश्विद्यालय में मनाया गया। इस समारोह का उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मानित करना रहा, जिन्होंने समाज में अपना एक प्रतिष्ठित स्थान स्थापित किया। समारोह में पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विवि के चांसलर डॉ पुनीत गोयल, प्रो चांसलर डॉ पूनम गोयल, कुलपति डॉ एन. पी. कौशिक, प्रति-कुलपति डॉ राजेंद्र सिंह छिल्लर ने अतिथियो और हॉल में आई नारी शक्ति का स्वागत करते हुए मोमेंटो व प्लांट्स देकर सम्मानित किया।

haribhoomi.com

हरिभूमि रविवार भारती

रंगोत्सव विशेष

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़, और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक रविवार 9 मार्च 2025

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

रंग-उमंग-तरंग के संग हो जाएं उल्लास में मगन

अपने देश भारत में मनाए जाने वाले अन्य त्योहारों की तरह होली महज एक त्योहार नहीं है, यह 'रंगों का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने का दिन है।

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

आज के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढ़ते दखल से तनाव बढ़ रहा है। इन सब तनावों, बोझों और परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज की जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं, रिश्तों में औपचारिकता बढ़ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकड़न को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्ठा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें।

एक्सपर्ट कहते हैं कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मोन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खूबी है कि हम इनके बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है, लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक मजकिया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं। तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास से भर जाते हैं।

प्रकृति के उत्सव में हों शामिल

होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रृंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं। इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। *

बहुत कुछ कहता है हर रंग

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें तन और मन से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खुशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलकने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।

हर रंग से सजा रहे जीवन

आत्मप्रेरणा

कुमार राधारमण

यह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा है, 'यह जीवन क्या है, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोड़ी सी हैं, लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी लेते हैं। ईमानदार होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कुल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शुचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंग: हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखें तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल हमारे लिए नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। जो इसे समझ लेता है, उसके रंग में कभी भंग नहीं पड़ता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दूसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दूसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामूहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद को तैयार करें। चैतन्य, दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि आपके भीतर उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता, कोमलता रचनात्मकता, भावुकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंग: रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बड़े से बड़े रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जोगिरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

गीत

डॉ. ओम निश्चल

फागुन के रंग सहेज लो!

जीवन में रंग अनेक हैं
जीवन के रंग सहेज लो
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
माना यह कठिन वक्त है
जीने की सजा सख्त है
सांसों की डोर है अभी
एक नई भोर है अभी
लो फिर से हाथ बढ़ाओ
अपना सूरज सहेज लो।
आज तुम उदास मत रहो
उत्सव के रंग सहेज लो।
घर-बाहर फाग मचा है
रंगों का रास रचा है
देता मौसम गवाहियां
मन में विश्वास बचा है
सुख के ये पल सहेज लो
खुशियों के रंग सहेज लो,
अनभीगे आज मत रहो
फागुन के रंग सहेज लो।
मंद-मंद हवा बह रही
पर पते की बात कह रही
तुम भी ऐसे बहो सदा
जैसे मैं मस्त बह रही
कुछ भीगे पल सहेज लो,
मौसम का मन सहेज लो
चढ़ने दो फागुनी सुरूर
कुदरत के रंग सहेज लो।

रंगों की छुअन!

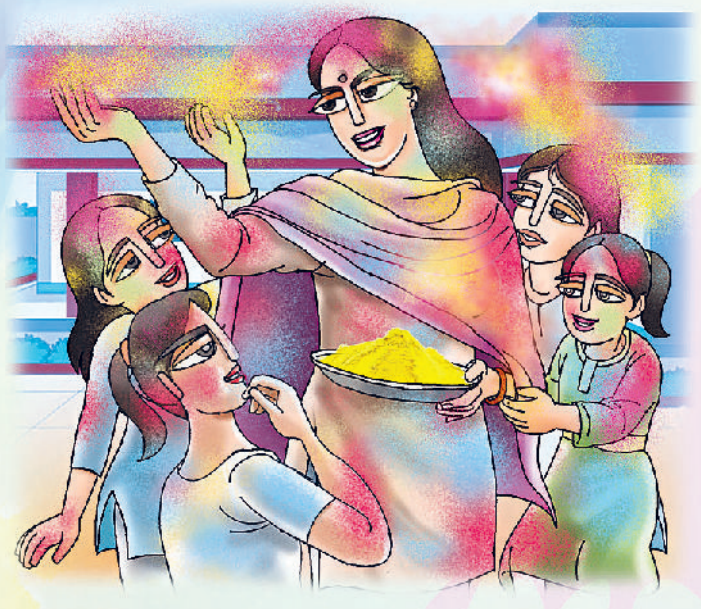

लघुकथा

यशोधरा भटनागर

पलाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछूता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न पाओगी।'

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गुलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...'

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बच्चियों के साथ नाचते-झूमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय

इंटरनेट पर होली का त्योहार

क्या सावन, क्या चैत अब, फागुन बारह मास।
छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।।

मिलन, गेट पर अब कहां, समय बना दीवार।
इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।।

केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।
मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय।
गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।।

सखि ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट।
जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इत्ता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम।
छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परफ्यूम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग।
और चटख अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से त्रस्त।
फास्ट फूड खाकर हुई, तन्वंगी कटि ध्वस्त।।

तब के, अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।
तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कट पेस्ट।।

वर की लर्निंग केलियर, मगर खड़ा मुंह बाय।
घर भर्निंग चहिए बहू, अर्निंग कर लइ आय।।

बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड।
मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

रंगीली चुटकी

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

काला चोर

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट।
वोटर गण कहने लगे, नेता तुझमें खोट।।
नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे।
वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।।
कह 'मनमौजी' हाथ जोड़ नेता फरमाया।
यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपति अपार।
कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।।
चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं।
कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।।
कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना।
मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।

आदिवासियों की होली में मेहक लोक-संस्कृति के रंग

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी जुड़ी हैं। इन बहुरंगी परंवराओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति
सुधा रानी तैलंग

सतरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खुशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है, जब वसंत अपने उत्कर्ष पर होता है। मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही पूरा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि, आस-पास के कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनूठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुल: बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बड़वानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना देते हैं।

हुवी दीवावी दूये बयोने
भरे सीयावे आवी दीवावी बाय
भर उनावे आवी हूवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली गरमी में।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनूठी है। होली में भील महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं, उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़ आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को छोड़ती हैं।

भगोरिया की उमंग: मध्य प्रदेश के पश्चिमी निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं। भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं। भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड़ कर होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है। पूर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो जाता है तो मनपसंद लड़की के चेहरे पर गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता पक्का हो जाता है।

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार नृत्य करते हैं। कृष्ण पक्ष की पंचमी तक होली का यह पर्व मनाया जाता है।

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है। इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। *

अनूठी होती थी रजवाड़ों की होली

आदिवासी समाज में होली की सदियां पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल हुआ करते थे।

नीमराणा की होली: आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल, नगाड़ों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शुरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्द से सब मिलकर सामूहिक होली खेलते थे।

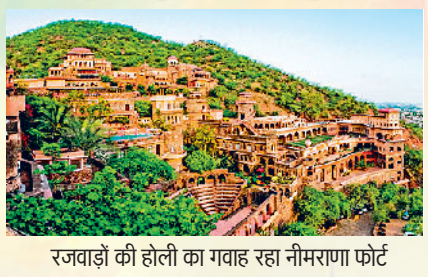

रजवाड़ों की होली का गवाह रहा नीमराणा फोर्ट

सदियों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों की होली की मंगला (जला) करती थी।

फिर होता था रंगोत्सव: सामूहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाद रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारों के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के बीच राजा सजीले हाथी पर सवार होकर अपनी प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में धुलंडी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा, हाथी पर सवार होकर कुंड के इस रंगीन खुशबूदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा संग होली खेलते हुए विजय बाग जाते थे। सुगंधित पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगीन हो जाती थी। सामूहिक जुलूस में सभी बिरादरी के लोग शामिल होते थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्ती: होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी।

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नुकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगों का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे।

रंग-बिरंगे गुलाल गोटे

परंपरा
इंदिरा त्रिवेदी

रंगों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली जाने वाली होली की, जो गुलाल गोटा से खेली जाती है और ईको-फ्रेंडली होती है।

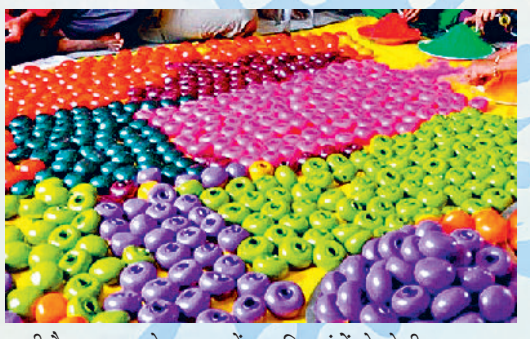

होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली खेलने की परंपरा करीब 300 से 400 वर्षों से जारी है।

क्या है गुलाल गोटा

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है। गोलाकार शेप मे मिलने वाले गुलाल गोटे लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

बनाने का तरीका

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक छोटी फुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबूदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे, जो बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग।
मन में हलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग।
दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए।
इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए।
कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली।
जीजा जी अब पास आइए, आई होली।

होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल।
साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।
हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।
अंग-अंग में रंग, देख हम उनमें अटके।
कह 'कोमल' कविराय, बात में हंसी-ठिठोली।
नैन करें संवाद, रंगीली आई होली।

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

आज के डिजिटल युग में होली के हुल्लास के बीच इस साल वर्चुअल होली की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बल्कि कहना चाहिए वर्चुअल वर्ल्ड में इंद्रधनुषी रंगों की बौछार शुरू भी हो चुकी है।

स्मार्ट-कलरफुल होगी डिजिटल होली

किसी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी खेली जा रही है।

सोशल मीडिया पर होली ट्रेंड्स

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का ट्रेंड चल रहा है। व्हाट्सएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने यूजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर

विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली

मेटावर्स, एआई जैसे डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कुछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए लोग एक-दूसरे पर जमकर केमिकल वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज मेटावर्स और एआई के दौर में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और सूखी होली की ओर हो चला है। अब युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे हैश टैग्स भी इस अवसर पर खूब ट्रेंड करते हैं।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना बनाती है। *

गेमिंग प्लेटफॉर्म्स भी नहीं हैं पीछे

इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल गेम फ्री फायर ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लूसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।

बड़ा पर्दा
कैलाश सिंह

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड़ देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खूब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।

होली के रंग में रंगी यादगार हिंदी फिल्में

रंगों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉग: 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकू गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ाई की पृष्ठभूमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'शोले' में होली गीत पर झूमते धर्मेंद्र-हेमा मालिनी

'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका-रणवीर

'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़: यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पति डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी शेषाद्री) से अमीर घर का एक लड़का (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजूद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहुंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक बलात्कार (और बाद में हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन) को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका-रणबीर कपूर

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूप: अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकारों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला (दीपिका पादुकोण) रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है।

जाहिर है, ऐसी सिचुएशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। *